RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 098
दि. 06.08.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने फिर धमकाया- 'अगले 24 घंटों में भारत पर टैरिफ में हो सकती है बड़ी बढ़ोत्तरी'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संकेत दिया कि वे अगले 24 घंटों में भारत पर शुल्क दरों में "काफी" वृद्धि कर सकते हैं। यह बयान रूसी तेल और अन्य सैन्य उत्पादों की खरीद के कारण भारत पर शुल्क बढ़ाने की उनकी एक दिन पहले की प्रतिज्ञा के बाद आया है।

सीएनबीसी से बात करते हुए, ट्रंप ने फिर दोहराया कि अमेरिका के सामानों पर भारत में दुनिया के सबसे अधिक टैरिफ लगते हैं। उन्होंने कहा, "भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है, क्योंकि वे हमारे साथ बहुत व्यापार करते हैं, लेकिन हम उनके साथ व्यापार नहीं करते हैं।

यूसीसी पर गठित समिति की अध्यक्ष सेवानिवृत्त जस्टिस श्रीमती रंजना देसाई तथा सदस्यों ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की

गांधीनगर, 05 अगस्त : राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की आवश्यकता का आकलन करने तथा कानून का मसौदा तैयार करने के लिए गठित समिति की अध्यक्ष एवं उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना देसाई तथा पाँच सदस्यों ने मंगलवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट-बैठक की।

इस मुलाकात-बैठक के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को समिति के कामकाज की प्रगति का विवरण दिया।

सेंट्रल विस्टा परियोजना: पीएम मोदी आज करेंगे कर्तव्य भवन का उद्घाटन, गृह-विदेश समेत कई बड़े मंत्रालय यहां होंगे शिफ्ट

नई दिल्ली। (जीएनएस)।

पीएम मोदी आज दिल्ली के कर्तव्य पथ स्थित कर्तव्य भवन का उद्घाटन करेंगे। दिल्ली के अलग-अलग भवनों में बिखरे केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय व विभाग जल्द ही कर्तव्य पथ के दोनों तरफ बन रहे कर्तव्य भवनों में दिखेंगे। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए ऐसे कुल दस भवनों का निर्माण होना है।

जनसभा को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

इनमें से कर्तव्य भवन-3 बनकर तैयार हो गया है, इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह अगस्त को दोपहर 12.15 बजे करेंगे। साथ ही वह शाम छह बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। इनमें मंत्रालयों के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल होंगे।

कर्तव्य भवन-3 बनकर तैयार

शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को नवनिर्मित कर्तव्य भवन-3 के सभागार में पत्रकारों से चर्चा में बताया कि अगले महीने तक कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 भी बनकर तैयार जाएंगे।

अन्य सात भवन भी अप्रैल 2027 तक बनकर तैयार हो जाएंगे

दोनों का काम लगभग अंतिम चरण में है। प्रस्तावित अन्य सात भवन भी अप्रैल 2027 तक बनकर तैयार हो जाएंगे। मंत्रालयों के लिए बनाए जा रहे इन भवनों में तकनीक, सुरक्षा व पर्यावरण अनुकूलता का पूरा ख्याल रखा गया है। पूरे भवन की निगरानी के लिए एक कमांड सीसीटीवी सेंटर भी बनाया गया है,जहां से परिसर व अंदर के गलियारों पर पैनी नजर रखी जाएगी।

खास बात यह है कि केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए नवनिर्मित इन नए भवनों को पहले कामन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (सीसीएस) नाम दिया गया था। इन कर्तव्य भवनों को मेट्रो लाइन से जोड़ने के लिए इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन से एक नई लाइन बनाने का प्रस्ताव किया गया है।

क्यों बनाया गया आधुनिक भवन

केंद्रीय मंत्री ने एक सवाल के जवाब में बताया कि मंत्रालयों के नए और अत्याधुनिक भवनों को बनाने की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि इनके जो मौजूदा भवन है वह 1950 से 1970 के बीच बनाए गए थे। ये सभी पुराने हो गए है, इनका सालाना रखरखाव काफी महंगा हो गया था।

प्रधानमंत्री जी की 'वोकल फॉर लोकल' परिकल्पना को 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के माध्यम से साकार किया जा रहा : सीएम योगी

लखनऊ : (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि हमें नये भारत का उदीयमान अलीगढ़ देखने को मिल रहा है। आज अलीगढ़ बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़कों, डिफेन्स कॉरीडोर, विश्वविद्यालय तथा बेहतरीन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए जाना जा रहा है। डबल इंजन सरकार इन सभी सुविधाओं को आप तक बिना भेदभाव के पहुंचा रही है। अलीगढ़ ने ताला उद्योग व हार्डवेयर के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल आइटम व ब्रास की मूर्ति के केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। सेना की साज-सज्जा के लिए बनने वाले अधिकतर उपकरणों हेतु अलीगढ़ के हार्डवेयर की मांग होती है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद अलीगढ़ में 957.82 करोड़ रुपये की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के पश्चात इस अवसर पर आयोजित जनसभा में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इसमें 457.62 करोड़ रुपये की 83 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 500.20 करोड़ रुपये की 103 परियोजनाओं का शिलान्यास सम्मिलित है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र, टैबलेट आदि प्रदान किये। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने

विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन तथा बच्चों का अन्नप्राशन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज जनपद को रक्षाबन्धन पर्व से ठीक पूर्व 957 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है। अलीगढ़ में पेयजल की पुनर्गठन स्कीम, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, अतरौली से अतरौली रेलवे स्टेशन मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य, अतरौली में राजकीय महाविद्यालय, अलीगढ़ नगर के स्काई टावर परिसर में 900 किलोलीटर क्षमता के भूमिगत जलाशय का लोकार्पण हो रहा है। यहां अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया जा रहा है।

यह परियोजनाएं आने वाले समय में अलीगढ़ को नई पहचान प्रदान करेंगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 02 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'वोकल फॉर लोकल' के लिए देशवासियों का आवाह्न किया था। प्रधानमंत्री जी की इस परिकल्पना को 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के माध्यम से साकार किया जा रहा है। वर्ष 2018 में प्रारम्भ हुई यह योजना देश के लिए मॉडल बनी है। यदि हमारा पैसा हमारे हस्तशिल्पियों व कारीगरों को प्राप्त होगा, तो हमारे देश व प्रदेश की प्रगति का आधार बनेगा। ओ0डी0ओ0पी0 के माध्यम से प्रत्येक जनपद ने अपनी नई पहचान बनाई है। बाजार की मांग के अनुरूप रोजगार का सृजन होता है। रोजगार से समृद्धि प्राप्त होती है और समृद्धि परिवार से निकलकर बाजार और समाज तक जाती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अलीगढ़ की पौराणिक और ऐतिहासिक पहचान रही है। इस जनपद को बाबूजी श्रद्धेय कल्याण सिंह जी ने राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व प्रदान किया था। अलीगढ़ की बात करने पर सभी के मन में बाबूजी की तस्वीर उभरती है।

मराठी-हिंदी भाषा विवाद को लेकर सीएम फडणवीस की निशिकांत दुबे को दो टूक- 'इसे सरकार संभालने में सक्षम है'

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में राज्य सरकार द्वारा अपनाई गई त्रिभाषा नीति का स्थानीय मराठी लोगों ने जमकर विरोध किया। इस विरोध का नेतृत्व महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने किया, और इस घटनाक्रम की गूंज पूरे देश में सुनाई दी इस विरोध प्रदर्शन को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का भी समर्थन मिला था। विभिन्न प्रतिक्रियाओं के बीच, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक आपत्तिजनक बयान दिया था। सत्ताधारी भाजपा को छोड़कर सभी राजनीतिक नेताओं ने उनके इस बयान की कड़ी निंदा की थी।

वहीं अब महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि राज्य में ऐसी कोई समस्या नहीं है और न ही मराठी या गैर-मराठी बोलने वालों के साथ कोई अन्याय हो रहा है। उन्होंने इसे राजनीतिक कारणों से पैदा किया गया विवाद बताया।

फडणवीस ने अपने पार्टी सहयोगी और सांसद निशिकांत दुबे को भी इस संवेदनशील भाषाई मामले में शामिल न होने की सलाह दी। उन्होंने जोर दिया कि मराठी बनाम गैर-मराठी का मुद्दा राजनीति के लिए उछाला जा रहा है, और सरकार इसे संभालने में सक्षम है।

मुख्यमंत्री ने कहा, "यहाँ कोई मराठी-गैर-मराठी तनाव नहीं है। उनमें से किसी के साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी दोनों वक्ता उन नेताओं को सबक सिखाएंगे, जो उन्हें बांटने की कोशिश कर रहे हैं।"

पिछले महीने, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के उस बयान पर पलटवार किया था, जिसमें ठाकरे ने अपने कार्यकताओं को गैर-मराठी बोलने वालों को 'कान के परदे के नीचे चोट पहुँचाने' की सलाह दी थी। दुबे ने बिना नाम लिए ठाकरे को राज्य से बाहर आकर चुनौती दी थी, "तुमको पटक पटक के मारेंगे।"

गांधीनगर में फार्मा एंड लैबटेक एक्सपो-2025 का शुभारंभ

25,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले एक्सपो में 400 से अधिक एग्जीबिटर्स दवाइयों और फार्मा उत्पादों सहित उत्पादन मशीनरी एवं उपकरण प्रदर्शित करेंगे

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने तीन दिवसीय एक्सपो का हेलीपैड एक्जीबिशन सेंटर में किया उद्घाटन : स्वास्थ्य मंत्री की विशेष उपस्थिति

गांधीनगर, 05 अगस्त : देश के छोटे और मध्यम आकार के फार्मा मशीनरी और इंजीनियरिंग निमार्ताओं, फार्मास्यूटिकल्स फॉर्मूलेशन उत्पादों एवं लैबटेक को उपयुक्त प्लेटफॉर्म प्रदान करने वाला फार्मा एंड लैबटेक एक्सपो-2025 मंगलवार को गांधीनगर में प्रारंभ हुआ।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के हेलीपैड एग्जीबिशन सेंटर में स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेशभाई

पटेल की उपस्थिति में एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने एग्जीबिशन में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

फार्मा एंड लैबटेक एक्सपो के इस 20वें संस्करण में कॉन्करेंट इवेंट्स, कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग एक्सपो और रॉ एंड पैकेजिंग मटेरियल एक्सपो शामिल किए गए हैं। ये क्षेत्र फार्मास्यूटिकल्स उत्पादों, मशीनरी और उपकरणों के पूरक हैं, इसलिए ये औद्योगिक विजिटर्स के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

यह एग्जीबिशन फार्मास्यूटिकल मशीनरी और उपकरण निर्माण क्षेत्र तथा फार्मास्यूटिकल्स पैकेजिंग, लैब और विश्लेषणात्मक उपकरणों, फार्मास्यूटिकल फॉर्मूलेशन, कॉस्मेटिक्स, न्यूट्रास्यूटिकल और सक्रिय फार्मास्यूटिकल सामग्री (एपीआई) पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। प्रदर्शनी क्षेत्र में पम्प, वाल्व, पाइप और फिटिंग पर एक विशेष पवेलियन भी प्रस्तुत किया गया है।

एक्सपो के उद्घाटन अवसर पर गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, अखिल भारतीय संत समिति पाळियाद के श्री भयलु बापू, भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कोराट, खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रसासन (एफडीसीए) के आयुक्त डॉ. एच.जी. कोशिया, भारत सरकार के अहमदाबाद आंचलिक कार्यालय में उप औषधि नियंत्रक डॉ. रविकांत शर्मा, इंडियन ड्रग्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडीएमए) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विरंची शाह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रंप की टैरिफ धमकी पर निक्की हेली ने दी सलाह- भारत जैसे मजबूत सहयोगी से रिश्ते खराब ना करें

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगातार भारी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं। 5 अगस्त को एक बाद फिर ट्रंप ने भारत पर अगले 24 घंटों के भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। भारत पर नए टैरिफ दरें लगाने की धमकी के बाद पूर्व दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर निक्की हेली ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हेली ने ट्रंप से अपील की है कि वे भारत जैसे मजबूत सहयोगी देश के साथ अपने संबंधों को खराब न करें।

रिपब्लिकन नेता निक्की हेली, जिन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी दूत के रूप में काम किया था, ने भारत का समर्थन करते हुए कहा कि चीन के रूस के साथ घनिष्ठ संबंध होने के बावजूद ट्रंप प्रशासन उसे "छूट" दे रहा है।

हेली बोलीं- अमेरिका चीन को

छूट ना दें

हेली ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा, "भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए। लेकिन चीन, जो हमारा विरोधी है और रूसी व ईरानी तेल का नंबर एक खरीदार है, उसे 90 दिनों की टैरिफ छूट मिली है। चीन को छूट न दें और भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ अपने संबंधों को खराब न करें।"

24 घंटों में भारत पर नए भारी टैरिफ लगाने की ट्रंप ने दी है धमकी

यह बयान ट्रंप के उस ऐलान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगले 24 घंटों में वे भारत पर नए भारी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा था कि यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से तेल खरीदने के कारण वे भारत के खिलाफ टैरिफ "काफी बढ़ा" देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा, "उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि रूसी युद्ध मशीन द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इसी कारण से, मैं भारत द्वारा अमेरिका को भुगतान किए जाने वाले टैरिफ को काफी बढ़ा दूंगा।"

इस बयान के बाद, भारत ने अमेरिका और यूरोपीय संघ पर नई दिल्ली को "अनुचित और निराधार" तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया।

मेट्रो की तस्वीर बदलेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(जीएनएस)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के लिए हो रहा है। पूरी दुनिया में एआई टेक्नोलॉजी लगभग हर फील्ड में इस्तेमाल की जा रही है। दिल्ली मेट्रो अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यात्रा के तरीके को बदलने जा रही है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (ऊ्टफ्ळ) ने यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए इसकी शुरूआत भी कर दी है। अगर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग सफल रहता है, तो टिकटिंग सिस्टम को खत्म कर दिया जाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके फेस रिकगनाइजेशन के जरिए एंट्री होगी। इससे टिकट लेने के झमेले की जरूरत नहीं होगी। टिकट काउंटर पर लंबी लाइन से भी निजात मिल सकेगी इस तकनीक के तहत यात्रियों को न टोकन लेने की जरूरत होगी और न ही स्मार्ट कार्ड स्कैन करने की। स्टेशन पर लगे कैमरे यात्री के

अब टिकट और स्मार्ट कार्ड का झंझट होगा खत्म!

चेहरे को स्कैन करेंगे और एंट्री के साथ-साथ किराया भी ऑटो कट हो जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, डीएमआरसी ने पहले चरण के लिए इस सिस्टम का ट्रायल कश्मीरी गेट, बाराखंभा रोड, राजीव चौक, लाजपत नगर, हौज खास और बदरपुर जैसे चुनिंदा स्टेशनों पर शुरू किया है। इसे "Automatic Fare Collection- AFC 2.0 Project" नाम दिया गया है। DMRC की योजना है कि यदि यह तकनीक सफल रही तो 2026 तक इसे मेट्रो के सभी प्रमुख कॉरिडोरों येलो, ब्लू और पिंक लाइन तक बढ़ा दिया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल पहले से ही कई मोर्चे पर हो रहा है। डीएमआरसी क्राउड मैनेजमेंट और मेंटिनेंस के काम के लिए अक का इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा, फेज-4 की मेट्रो को अक की मदद से स्मार्ट ट्रेनों के रूप में कन्वर्ट करने की भी योजना है। कुल मिलाकर दिल्ली मेट्रो जो कि अब एनसीआर में भी लोगों के लिए लाइफलाइन बन गई है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए पहले से और बेहतर और सुरक्षित हो सकती है।

भावनगर मंडल के लोको पायलटों ने अपनी सतर्कता से 05 शेरों को पैसेन्जर ट्रेन की चपेट में आने से बचाया

भावनगर रेलवे मंडल द्वारा सिहों/वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। मंडल के निदेर्शानुसार ट्रेनों का संचालन करने वाले लोको पायलट निर्धारित गति का पालन करते हुए विशेष सतर्कता के साथ कार्य कर रहे हैं। भावनगर रेलवे मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता एवं वन विभाग के फॉरेस्ट ट्रैकरों की मदद से पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 159 सिंहों की जान बचाई जा चुकी है। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी तक कुल 29 सिंहों की जान बचाई जा चुकी है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्‍य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की 4.8.2025 (सोमवार) को लोको पायलट श्री बलिराम कुमार (मुख्यालय-जूनागढ़) एवं सहायक लोको पायलट श्री हरदीप गरला (मुख्यालय-जूनागढ़) ने जूनागढ़-वेरावल मीटरगेज सेक्शन के मध्य किमी सं. 11/01 से 11/02 पर चार शेरों (एक शेर, एक शेरनी एवं उनके तीन बच्चे) को रेलवे ट्रैक पर सोया हुआ देखकर जूनगढ़ से वेरावल को जाने वाली यात्री गाड़ी (52946) को तुरन्त इमरजेन्सी ब्रेक लगाकर रोक लिया। लोको पायलट द्वारा ट्रेन मैनेजर (गार्ड) को सूचित किया गया। फॉरेस्ट ट्रैकर ने आकर शेरों को रेलवे ट्रैक से हटाया और सभी स्थिती नॉर्मल पाये जाने पर लोको पायलट को प्रस्थान करने को कहा। उसके बाद लोको पायलट द्वारा सावधानी पूर्वक ट्रेन को गंतव्य की ओर ले जाया गया।

सूचना प्राप्त होने पर लोको पायलटों के इस सराहनीय कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा प्रशंसा की गई।

ट्रेन संख्या 12935/36 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस के टर्मिनल को सूरत स्टेशन पर पुनर्स्थापित किया गया

यात्रियों की सुविधा के लिए तथा उधना स्टेशन पर चल रहे कार्य के मद्देनजर 7 अगस्त, 2025 से ट्रेन संख्या 12935/12936 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस के टर्मिनेटिंग/ओरिजिनेटिंग स्टेशन को उधना से सूरत स्टेशन पर पुनर्स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 12935/12936 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस उधना स्टेशन पर नहीं रुकेगी। सूरत स्टेशन पर ट्रेन का समय इस प्रकार हैः

- ट्रेन संख्या 12935 बांद्रा टर्मिनस-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस उधना स्टेशन के बजाय 10:35 बजे सूरत स्टेशन पर टर्मिनेट होगी।
- ट्रेन संख्या 12936 सूरत-बांद्रा टर्मिनस इंटरसिटी एक्सप्रेस उधना स्टेशन के बजाय 16:25 बजे सूरत स्टेशन से ओरिजिनेट होगी होगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

श्री दिनेश वर्मा ने सोमवार को भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार संभाला

श्री दिनेश वर्मा ने 04.08.2025 (सोमवार) को पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले, श्री दिनेश वर्मा कार्यकारी निदेशक/दूरसंचार/आरडीएसओ, लखनऊ के पद पर कार्यरत थे।

श्री दिनेश वर्मा भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएसई) के 1995 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं। उन्होंने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर से इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। श्री दिनेश वर्मा ने दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वी तटीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने झांसी/उत्तर मध्य रेलवे में अपर मंडल रेल प्रबंधक और डीएफसीसीआईएल में महाप्रबंधक/एस एंड टी के रूप में भी

कार्य किया है।

11 अगस्त से भावनगर-अयोध्या कैंट के बीच प्रत्येक सोमवार को चलेगी साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन टिकटों की बुकिंग रविवार से शुरू हो चुकी है

यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के भावनगर टर्मिनस स्टेशन से भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के लिए 11 अगस्त, 2025 से प्रत्येक सोमवार को भावनगर-अयोध्या कैंट के बीच साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। भावनगर डिविजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इस ट्रेन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

- ट्रेन नंबर 19201/19202 भावनगर-अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 19201 भावनगर - अयोध्या कैंट साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 11 अगस्त, 2025 (सोमवार) को भावनगर टर्मिनस से दोपहर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.30 बजे अयोध्या कैंट स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में, ट्रेन नंबर 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 12 अगस्त, 2025 (मंगलवार) को अयोध्या कैंट स्टेशन से रात्रि 22.30 बजे प्रस्थान करेगी और गुरूवार को प्रातः 4.45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सिहोर, धोला, बोटाद, लींबडी, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाना, पालनपुर जंक्शन, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर जंक्शन, किशनगढ़, जयपुर जंक्शन, गांधीनगर जयपुर, बाँदीकुई जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, ईदगाह, टूण्डला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ एवं बाराबंकी जंक्शन स्टेशनों पर रूकेगी।

इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी, शयनयान, थर्ड एसी, थर्ड एसी इकोनॉमी एवं सेकंड एसी कोच शामिल हैं।

ट्रेन नंबर 19201 के लिए टिकटों की बुकिंग 03.08.2025 (रविवार) से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। इस ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए वडोदरा मंडल के दो कर्मचारियों को सम्मानित किया गया

रेल संरक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए वडोदरा मंडल के दो कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) श्री राजू भडके द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान रेलवे की सुरक्षित संचालन प्रणाली को सुदृढ़ करने में उनकी सजगता और तत्परता को मान्यता देने हेतु प्रदान किया गया।

सम्मानित कर्मचारियों में श्री फूल चन्द्र वर्मा (स्टेशन अधीक्षक) और श्री दीपक खरे (गाड़ी प्रबंधक) शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालकर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

श्री फूल चन्द्र वर्मा (स्टेशन अधीक्षक)

अपनी ड्यूटी के दौरान ट्रेन की निगरानी करते समय उन्होंने एक ट्रेन में टूटा हुआ ब्रेक ब्लॉक देखा और तुरंत मियागांव स्टेशन अधीक्षक को सूचित कर ट्रेन रुकवाई। निरीक्षण में टूटे ब्रेक ब्लॉक की पुष्टि हुई जिसे तत्परता से ठीक किया गया। उनकी सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना टली और रेलवे संपत्ति की रक्षा हुई।

श्री दीपक खरे (ट्रेन मैनेजर)

श्री खरे ने लगातार तीन दिनों में निम्नलिखित घटनाओं पर कुशल प्रतिक्रिया दीः

29 जुलाई 2025झ ट्रेन का निरीक्षण करते समय श्री खरे ने कोच में ब्रेक ब्लॉक और पहियों के बीच धातु के कण फंसे हुए पाए, जिससे पहिए जाम होकर अत्यधिक गर्म हो गए थे। उन्होंने तत्परता से यह जानकारी डिप्टी स्टेशन अधीक्षक एवं सीसीआर/बीआरसी को दी, जिससे समय रहते आवश्यक कार्यवाही की जा सकी।

30 जुलाई 2025झ ट्रेन मैनेजर के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने ट्रेन के मध्य भाग में ब्रेक प्रेशर में अचानक गिरावट को पहचाना। तत्क्षण लोको पायलट को फ्लैशर लाइट जलाकर ट्रेन रोकने का निर्देश दिया। निरीक्षण में यह सामने आया कि एक कुत्ता एक वैगन से टकरा गया था, जिससे दो वैगनों की बीपी पाइप डिस्कनेक्ट हो गई थी। श्री खरे ने पाइप को पुनः जोड़ा, एयर प्रेशर को बहाल किया, कंटिन्युटी टेस्ट किया और ट्रेन को सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाया।

31 जुलाई 2025 झ ड्यूटी आरंभ करते ही उन्होंने स्वयं ट्रेन का निरीक्षण किया, जिसमें ट्रेन के पिछले भाग में स्थित 15वें वैगन में ब्रेक ब्लॉक और पहियों के बीच फंसे धातु के कण पाए। ब्रेक शू पहियों से चिपका हुआ था। श्री खरे ने एक प्वाइंट्समैन की सहायता से कणों को हटवाया, वैगनों की जांच कर उन्हें सुरक्षित पाया और तत्पश्चात ट्रेन को रवाना किया।

उनकी सक्रियता और तकनीकी समझ ने ना केवल गंभीर घटनाओं को रोका, बल्कि समय की बचत और संरक्षा की मिसाल भी कायम की।

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने इन कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा,"यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जब हमारे कर्मचारी इस प्रकार की सतर्कता और जिम्मेदारी का परिचय देते हैं, तो यह रेलवे के लिए गर्व का विषय होता है।"

पश्चिम रेलवे ने अप्रैल से जुलाई, 2025 के दौरान गहन टिकट जांच अभियानों से प्राप्त किया गया लगभग ₹71 करोड़ का जुमार्ना

एसी उपनगरीय लोकल से 93 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना प्राप्त किया गया

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में टिकट जांच दलों द्वारा अप्रैल से जुलाई 2025 की अवधि में विविध टिकट जांच अभियानों के माध्यम से कुल ₹70.98 करोड़ की राशि प्राप्त की गई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 24% अधिक है, साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से 11% अधिक है। इस राशि में मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त ₹19.55 करोड़ की राशि भी शामिल है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जुलाई 2025 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए सामान से जुड़े 2.22 लाख मामलों का पता लगाकर ₹12.19 करोड़ की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष के जुलाई के आंकड़ों की तुलना में 134% अधिक है। साथ ही, मुंबई उपनगरीय खंड पर लगभग 92 हजार मामलों का पता लगाकर प्राप्त किया गया ₹3.65 करोड़ का जुमार्ना भी शामिल है। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार औचक टिकट जांच अभियान भी चलाए जा रहे हैं। एसी लोकल में केंद्रित अभियानों के परिणामस्वरूप, अप्रैल से जुलाई 2025 के दौरान 28 हजार से अधिक अनधिकृत यात्रियों को दंडित किया गया और उनसे ₹93.40 लाख रुपये जुमार्ने के रूप में प्राप्त किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 58% अधिक है। ऐसे उल्लेखनीय परिणाम अनधिकृत यात्रा पर अंकुश लगाने, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और सार्वजनिक राजस्व की सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं।

पश्चिम रेलवे आम जनता से अपील करता है कि कृपया उचित और वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें।

भोपाल में पुलिसकर्मियों की बहादुरीः भदभदा तालाब में आत्महत्या की कोशिश कर रही महिला को बचाया!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के भदभदा तालाब में रविवार, 4 अगस्त 2025 की शाम एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जब एक 34 वर्षीय महिला ने पति से विवाद के चलते आत्महत्या की नीयत से तालाब में छलांग लगा दी।

लेकिन, वहां परिवार के साथ घूमने आए पुलिसकर्मियों और एक चौकीदार की तत्परता और बहादुरी ने उसकी जान बचा ली। यह घटना न केवल पुलिसकर्मियों की साहसिकता और मानवता की मिसाल है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि संकट के समय एकजुटता से कैसे किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है।

घटना का विवरणः आत्महत्या की कोशिश और त्वरित कार्रवाई

4 अगस्त 2025 की शाम करीब 6:30 बजे भदभदा ब्रिज पर एक 34 वर्षीय महिला, जो गोरा गांव की निवासी है, ने अपनी चप्पल और दुपट्टा ब्रिज पर छोड़कर आत्महत्या की नीयत से भदभदा तालाब में छलांग लगा दी। जानकारी के अनुसार, महिला का अपने पति से विवाद हुआ था, जिसके चलते उसने यह खतरनाक कदम उठाया।

उसी समय, रविवार होने के कारण अपने परिवार के साथ भदभदा तालाब के पास घूमने आए हेड कांस्टेबल बलराम नागपुरे ने महिला को तालाब में डूबते देखा। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को आवाज देकर मदद मांगी और महिला को हौसला देने के लिए उसे हाथ हिलाते रहने को कहा। इस दौरान महिला पानी में डूब रही थी और केवल

उसका सिर पानी के ऊपर दिखाई दे रहा था।

चुन्नी से बनाई रस्सीः अनोखा बचाव प्रयास

हेड कांस्टेबल बलराम नागपुरे ने अपनी पत्नी और वहां मौजूद अन्य महिलाओं की मदद से एक अनोखा उपाय निकाला। उन्होंने वहां मौजूद महिलाओं की चुन्नियां इकट्ठी कीं और लगभग 10-15 चुन्नियों को जोड़कर एक रस्सी बनाई। इस रस्सी को ब्रिज से तालाब में डाला गया ताकि महिला इसे पकड़ सके। महिला ने जैसे ही चुन्नी से बनी इस रस्सी को पकड़ा, वह उसका सहारा लेकर लटक गई।

इसी बीच, भोज बिहार पार्क के चौकीदार अनिल, पिता गजराज सिंह, ने तालाब में छलांग लगा दी। उनके साथ हेड कांस्टेबल रघुनाथ वर्मा और हेड कांस्टेबल मनोहर बामनिया भी महिला को बचाने के लिए तालाब में कूद पड़े। अनिल तैरकर महिला के पास पहुंचे और चुन्नी की रस्सी के सहारे उसे धीरे-धीरे तालाब के किनारे की ओर ले गए।

पुलिसकर्मियों की एकजुटताः जान बचाने की जंग

हेड कांस्टेबल रघुनाथ वर्मा और हेड कांस्टेबल मनोहर बामनिया ने अनिल के साथ मिलकर महिला को तालाब से बाहर निकाला और ब्रिज के ऊपर लाए। इस दौरान महिला की हालत गंभीर थी, क्योंकि उसके पेट में काफी पानी भर गया था। तभी वहां से गुजर रहे हेड कांस्टेबल चंचल बस्तवर और हेड कांस्टेबल राजेश विश्वकर्मा ने तुरंत महिला को इलाज के लिए हेजेला हॉस्पिटल पहुंचाया।

अस्पताल में महिला की हालत स्थिर होने तक उसका इलाज चला। सूचना मिलने पर महिला का पति और उसकी बेटी व भतीजी भी अस्पताल पहुंच गए। डॉक्टरों के अनुसार, महिला अब खतरे से बाहर है।

पुलिसकर्मियों की सराहनाः वाहन चालक बने हीरो

इस बचाव कार्य में शामिल सभी पुलिसकर्मी वाहन चालक हैं, जो रविवार की छुट्टी के दिन अपने परिवार के साथ भदभदा तालाब घूमने आए थे। उनकी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई ने एक अनमोल जिंदगी को बचा लिया। इस साहसिक कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हेड कांस्टेबल रघुनाथ वर्मा, कांस्टेबल बलराम नागपुरे, हेड कांस्टेबल मनोहर बामनिया, हेड कांस्टेबल राजेश विश्वकर्मा, हेड कांस्टेबल चंचल बस्तवर और चौकीदार अनिल, पिता गजराज सिंह की जमकर सराहना की है।

सामाजिक संदेशः मानवता की मिसाल

यह घटना न केवल पुलिसकर्मियों की बहादुरी और मानवता को दशार्ती है, बल्कि यह भी सिखाती है कि संकट के समय एकजुट होकर कैसे किसी की जान बचाई जा सकती है। महिला के पति से विवाद के चलते उठाए गए इस कदम ने मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक रिश्तों की अहमियत को भी उजागर किया है। समाज में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता और संवेदनशीलता की जरूरत है।

औंड़िहार-सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का 87 फेरों के लिए हुआ विस्तार, देखें डिटेल

(जीएनएस)।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व में चलाई जा रही 05163/05164 औंड़िहार-सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 06 अगस्त से 31 अक्टूबर,2025 तक प्रतिदिन 87 फेरों हेतु निम्नवत किया जायेगा।

05163 औंड़िहार-सारनाथ डेमू विशेष गाड़ी 06 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक प्रतिदिन

औंड़िहार से 12.35 बजे प्रस्थान कर सिधौना रामपुर से 12.43 बजे, रजवारी से 12.53 बजे तथा कादीपुर से 13.04 बजे छूटकर सारनाथ 13.20 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में, 05164 सारनाथ-औंड़िहार डेमू विशेष गाड़ी 06 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक प्रतिदिन सारनाथ से 13.50 प्रस्थान कर कादीपुर से 14.02 बजे, रजवारी से 14.10 बजे तथा सिधौना रामपुर से 14.17 बजे छूटकर औंड़िहार 14.35 बजे पहुंचेगी।

रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ सम्पूर्ण भारतीय रेल पर दो चरणों में मनाया जा रहा है, जिसके प्रथम चरण के पांचवे दिन 05 अगस्त,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में 05 अगस्त,2025 को लखनऊ मण्डल के गोरखपुर, बस्ती, खलीलाबाद, गोण्डा स्टेशन, कालोनी तथा रेलवे अस्पताल, ऐशबाग, लखनऊ जं0 स्टेशनों पर तथा बस्ती रेलवे स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत रेलकर्मियों द्वारा स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी स्लोगन, पोस्टर एवं बैनर के साथ जन-जागरूकता स्वच्छता रैली निकाली गई तथा इन स्टेशनों पर एवं रेलवे कालोनियों में रेलकर्मियों को स्वच्छता सम्बन्धी शपथ दिलाई गई तथा स्वच्छता कार्य किया गया।

8 अगस्त से 28 सितंबर 2025 की भुज-राजकोट स्पेशल ट्रेन निरस्त

पश्चिम रेलवे द्वारा वर्तमान में यात्री संख्या में कमी के मद्देनजर ट्रेन संख्या 09546/09545 भुज-राजकोट-भुज त्रि-साप्ताहिक स्पेशल को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

- ट्रेन संख्या 09546 भुज-राजकोट त्रि साप्ताहिक स्पेशल 08 अगस्त 2025 से 28 सितंबर 2025 तक निरस्त रहेगी।
- ट्रेन संख्या 09545 राजकोट-भुज त्रि साप्ताहिक स्पेशल 07 अगस्त 2025 से 27 सितंबर 2025 तक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

13 सितंबर की भुज-बरेली एक्सप्रेस और वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मण्डल के खातीपुरा स्टेशन पर इंजीनियरिंग कार्य के कारण भुज-बरेली एक्सप्रेस और वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

- 13 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14322 भुज-बरेली एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग फुलेरा-जयपुर-अलवर-रेवाड़ी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी के रास्ते चलेगी। परिवर्तित मार्ग पर यह ट्रेन रींगस,नीमका थाना, नारनौल एवं अटेली स्टेशनों पर रुकेगी।
- 13 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रेवाड़ी-अलवर-जयपुर-फुलेरा के स्थान परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा के रास्ते चलेगी। परिवर्तित मार्ग पर यह ट्रेन नारनौल, नीमका थाना एवं रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

इंदौर में लोकायुक्त पुलिस की भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और कार्रवाई, रिश्वत लेते केनरा बैंक मैनेजर रंगे हाथों गिरफ्तार!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और सख्त कार्रवाई करते हुए केनरा बैंक के ब्रांच मैनेजर को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। यह कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर कदम उठाने के निदेर्शों के तहत की गई।

आइए, इस सनसनीखेज मामले की पूरी कहानी जानते हैं, जिसमें एक बैंक मैनेजर ने सरकारी योजना के तहत स्वीकृत राशि को खाते में डालने के लिए मोटी रिश्वत की मांग की थी।

शिकायतकर्ता और मामलाः डेयरी निर्माण के लिए स्वीकृत राशि का खेल

शिकायतकर्ता श्री विनोद लोवंशी, निवासी रामपुरी रेयक, पोस्ट निशानियां, तहसील हरसूद, जिला खंडवा, ने लोकायुक्त पुलिस को बताया कि उन्हें आचार्य विद्यासागर योजना के तहत दूध डेयरी निर्माण के लिए शासन से 6,00,000 रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी। इस राशि को उनके बैंक खाते में जमा कराने के लिए केनरा बैंक, छनेरा नया हरसूद शाखा के ब्रांच मैनेजर राधा रमन सिंह राजपूत ने उनसे 75,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी।

राधा रमन ने रिश्वत की राशि को तीन किश्तों में लेने की योजना बनाई थी। पहली किश्त के रूप में उन्होंने पहले ही 10,000 रुपये ले लिए थे। दूसरी किश्त के रूप में 5,000 रुपये 5 अगस्त 2025 को लेने की बात तय हुई थी, जबकि तीसरी किश्त तब दी जानी थी, जब राशि शिकायतकर्ता के खाते में जमा हो जाती।

लोकायुक्त की चाक-चौबंद रणनीतिः रंगे हाथों पकड़ा गया आरोपी

विनोद लोवंशी ने इस रिश्वतखोरी की शिकायत विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त कार्यालय, इंदौर के पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सहाय को की। शिकायत का सत्यापन करने पर यह सही पाया गया कि ब्रांच मैनेजर राधा रमन सिंह राजपूत ने रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 अगस्त 2025 को एक ट्रेप का आयोजन किया।

जैसे ही राधा रमन ने शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये की दूसरी किश्त अपने हाथों में ली, आसपास पहले से तैनात लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा। इस कार्रवाई में डीएसपी लोकायुक्त सुनील तालान के नेतृत्व में निरीक्षक सचिन पटेरिया, आरक्षक विजय सेलार, अनिल परमार, पवन पटोरिया, टाइपिस्ट प्रभात मोरे, चालक शेरसिंह ठाकुर और दो पंच साक्षी शामिल थे।

कानूनी कार्रवाईः भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज

लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी राधा रमन सिंह राजपूत के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा-7 के तहत मामला दर्ज किया है। इस धारा के तहत रिश्वत लेने के अपराध में सख्त सजा का प्रावधान है, जिसमें सात साल तक की कैद और जुमार्ना शामिल हो सकता है। पुलिस अब इस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या आरोपी ने पहले भी इस तरह की रिश्वतखोरी की है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

टेरिफ वार में भारत झुकने वाला नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में धमकी देते हुए कहा है कि "भारत अच्छा व्यापारी साथी नहीं है, क्योंकि वह हमारे साथ बहुत व्यापार करता है किन्तु हम उसके साथ बिजनेस नहीं करते। ऐसे में हमने 25 प्रातिशत टैरिफ तय किया है लेकिन मैं इस दर को अगले 24 घंटे में काफी ज्यादा बढ़ाने जा रहा हूं।" एक दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद सोशल मीडिया पर कहा था कि "भारत न सिर्प रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है बल्कि मोटा मुनाफा कमाने के लिए खुले बाजार में बेच रहा है। उन्हें फर्व नहीं पड़ता कि रूसी युद्ध के चलते यूव्रेन में कितने लोग मर रहे हैं।"

मंगलवार को ही अमेरिका के कई सांसदों ने भारत पर रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप का समर्थन किया और यहां तक कहा कि भारत के नागरिकों का एच-1 बी वीजा खत्म कर देना चाहिए क्योंकि वह यूव्रेन रूस युद्ध में 'युद्ध लाभ' ले रहा है। अमेरिका को लगता है कि भारत पर यदि इसी तरह दबाव डाला जाएगा तो वह रूस से तेल लेना बंद कर देगा। लेकिन उसे यह भी पता है कि तेल तो चीन भी रूस से खरीद रहा है किन्तु उसकी हिम्मत नहीं पड़ रही है कि वह बीजिग को टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे।

मजे की बात तो यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों पर भारत ने भी अब खुलकर प्रातिव्रिया व्यक्त करना शुरू कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता ने दो टूक कहा कि भारत की विदेश नीति वाशिगटन डीसी तय नहीं कर सकता। भारत ने स्पष्ट किया कि "रूस व यूव्रेन युद्ध के समय अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थिरता को मजबूत करने के लिए भारत द्वारा इस तरह के आयात को सव्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।" भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत रूस से जो आयात करता है, उसका उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा की लागत को किफायती बनाए रखना है। यही नहीं विदेश मंत्रालय ने अमेरिका की पोल पट्टी खोलते हुए सवाल किया कि "वह तो अपने परमाणु उद्योग के लिए रूस से यूरेनियम हेक्सा फ्लोराइड, अपने ईवी उद्योग के लिए पैलेडियम, उर्वरक रसायनों का आयात जारी रखे हुए हैं।"

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अकेले नहीं हैं जो भारत के खिलाफ अनुचित और अविवेकपूर्ण पैसले ले रहे हैं। भारत के खिलाफ वहां के प्राशासन में शामिल वे लोग भी शामल हैं जो इस बात से बहुत परेशान हैं कि भारत ने अमेरिका का विकल्प बहुत पहले से तैयार कर रखा है। भारत जानता था कि उसकी उभरती अर्थव्यवस्था के प्राति अमेरिका की सहनशीलता जरूर जवाब देगी। इसलिए उसने अप्रीका के देशों से 2015- 16 से ही संबंध मजबूत करना शुरू कर दिया था। जी-20 सम्मेलन के दौरान प्राधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ को साधने के लिए ही सभी अप्रीकी देशों को सदस्यता दे दी। उस वक्त तो किसी भी देश ने भारत के इस कदम की आलोचना नहीं की किन्तु राष्ट्रपति ट्रंप को अब इस बात का एहसास हुआ कि भारत ने ग्लोबल साउथ से संबंध मजबूत करने के लिए ही उन्हें जी-20 की सदस्यता दिलवाई थी।

बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्राशासन अब चाहे जितना प्रायास कर ले, भारत झुकने वाला नहीं है। भारत के लिए जरूरी है कि वह अमेरिका में निर्यात को नियंत्रित करके उसको सीमित कर दे ताकि उसके द्वारा लगाए जाने वाले आयात कर का व्यापार पर विशेष प्राभाव पड़े ही नहीं।भारत को तत्काल 'रिक' यानि रूस, भारत, चीन की तिकड़ी को व्यापार बढ़ाना चाहिए। ब्रिक्स की सदस्यता और देशों को देना चाहिए तथा डालर को व्यापार की मुद्रा नहीं मानने का ऐलान करना चाहिए। यही नहीं भारत को अमेरिकी उत्पाद या वस्तुओं के आयात की मात्रा बिल्वुल कम कर देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि इससे आर्थिक संवुचन का असर भारत पर पड़ेगा। भारत के लिए अप्रीका में असीम संभावनाएं हैं। वहीं अपना निर्यात बढ़ाए और निवेश की संभावनाएं तलाशे। भारत के लिए जरूरी है कि वह अमेरिका को इस बात का एहसास दिलाए कि उसके बिना भी भारत अपनी आर्थिक विकास की गति को जारी रखने में समर्थ है। लब्बोलुआब यह है कि ट्रंप अब भारत के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं।

अमेरिका में 17 लाख प्रवासियों की नौकरियां गईं, भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर क्यों?

(जीएनएस)।

अमेरिका में नौकरी करना न केवल एक करियर का सपना है, बल्कि लाखों युवाओं के लिए उम्मीदों और तरक्की की उड़ान भी है। हर महीने की तनख्वाह डॉलर में मिले और ज़िन्दगी में स्टेटस का नया मुकाम हासिल हो। ऐसा ख्वाब लेकर हर साल लाखों लोग अमेरिका की ओर रुख करते हैं। लेकिन हाल ही में जो आंकड़े सामने आए हैं, उन्होंने उस 'अमेरिकन ड्रीम' को करारा झटका दिया है, जिसकी चमक लाखों युवाओं को आकर्षित करती रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 17 लाख प्रवासी कामगारों की नौकरियां छिन गई हैं। इनमें बड़ी तादाद भारतीयों की भी है। अब सवाल उठता है कि आखिर ये नौकरियां क्यों खत्म हो गईं? क्या इसका असर भारत पर भी पड़ेगा? और क्या अब अमेरिका में नौकरी का सपना देखना खतरे से खाली नहीं? आइए समझते हैं इस झटके की पूरी कहानी।

नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी ने रोजगार के ताजा आंकड़े पेश किए हैं, जो प्रवासियों के लिए चिंताजनक हैं, क्योंकि रिपोर्ट में बताया गया है कि नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से लेकर अब तक करीब 17 लाख प्रवासी कर्मचारियों को पे रोल से हटा दिया गया है, यानी उन्होंने अपनी नौकरियां गंवा दी हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ विश्लेषकों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद सख्त वीजा और आव्रजन नीतियों के चलते अब तक करीब 12 लाख प्रवासी नौकरियों से बाहर हो चुके हैं।

अमेरिका में घटती नौकरियों के संकट का सबसे ज्यादा भारत पर पड़ रहा है, क्योंकि अमेरिका में भारतीय डॉक्टर, आईटी पेशेवर और इंजीनियरों की संख्या सबसे अधिक है।

नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी मूल के कामगारों की कुल संख्या 7 लाख 35 हजार घटी। मई-जून के संशोधित आंकड़ों के मुताबिक, 2.58 लाख नौकरियां खत्म हुईं, जिससे प्रवासियों में असुरक्षा और बढ़ गई है। बेरोजगारी की दर 4.2 प्रतिशत तक आ गई। वहीं, पूरे जुलाई माह में 73 हजार नई नौकरियां मिली हैं।

अमेरिकी श्रमशक्ति में प्रवासियों की स्थिति

usafacts.org की अगस्त 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार 32.2 मिलियन (3.22 करोड़) प्रवासी अमेरिका की वर्कफोर्स का हिस्सा हैं। यानी अमेरिका की कुल श्रमशक्ति का 19% से अधिक अब विदेश में जन्मे लोगों के पास है। 30.9 मिलियन प्रवासी जून 2024 तक नौकरी में सक्रिय थे। बाकी लोग रोजगार की तलाश में थे। प्रवासियों का श्रम भागीदारी दर अब 67% तक पहुंच चुकी है। यह कोविड से पहले के स्तर (2019) से भी ऊपर है।

अमेरिका में भारतीयों की ताकतः 52 लाख से ज्यादा

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में रहने वाला भारतीय मूल का समुदाय अब 52 लाख (5.2 मिलियन) से अधिक हो चुका है। साल 2000 में यह संख्या 18 लाख थी, यानी बीते दो दशकों में तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है। यह समुदाय अब अमेरिका में एशियाई मूल के लोगों में दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गया है। भारतीय-अमेरिकी अब अमेरिका की एशियाई आबादी का करीब 21% हिस्सा हैं। यह तेजी से बढ़ोतरी प्रवासी पेशेवरों और छात्रों की लगातार आमद का नतीजा है। अंग्रेजी दक्षता के मामले में भारतीय अमेरिकी अन्य एशियाई समुदायों की तुलना में सबसे आगे हैं।

1 घंटे में कितनी बारिश होने को बादल फटना कहते हैं, उत्तराखंड में ही क्यों बरपता ऐसा कुदरती कहर?

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में 5 अगस्त 2025 को बादल फटने के वायरल वीडियो में तबाही का जो दृश्य सामने आया है, वह बेहद भयावह है और लोगों को झकझोर देने वाला है। यह खौफनाक मंजर देखकर हर किसी के मन में सवाल उठना लाजमी है कि आखिर बादल फटना होता है क्या और ऐसे हादसे में उत्तराखंड या अन्य पहाड़ी इलाकों से ही क्यों सामने आते हैं?

वनइंडिया हिंदी से बातचीत में राजस्थान के मौसम विशेषज्ञ राधेश्याम शर्मा कहते हैं कि बादल फटने को समझने के लिए इसके तकनीकी और जमीनी पहलुओं को आसान भाषा में जानना जरूरी है। वैसे राजस्थान जैसे मैदानी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं आमतौर पर नहीं होती हैं। बादल फटने का सबसे अधिक जोखिम उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी इलाकों में है।

एक घंटे में 100 एमएम बारिश को बादल फटना कहते हैं

शर्मा ने बताया कि "बादल फटना एक ऐसी स्थिति होती है जब बहुत कम समय में एक छोटे इलाके में 100 मिमी या उससे अधिक बारिश दर्ज होती है।" भारत मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) के अनुसार, यदि एक घंटे में 100 मिमी या उससे अधिक बारिश दर्ज होती है, तो उसे 'क्लाउडबर्स्ट' यानी बादल फटना माना जाता है।

बादल फटने की घटना के बाद भारी बारिश होती है। पहाड़ी जमीन उसे सोख नहीं पाती, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं हो सकती हैं। पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटना अधिक खौफनाक इसलिए भी हो जाती है, क्योंकि वहां पानी जमीन में सोखने की बजाय ढलान की ओर तेजी से आता है और उस तेज बहाव वाले पानी के रास्ते में जो कुछ आता है वह उसे तबाह कर देता है।

पहाड़ों में ही क्यों फटते हैं बादल?

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश या पूर्वोत्तर भारत में असम और मेघालय से मानसून में अक्सर बादल फटने की घटनाएं सामने आती हैं। सवाल है कि आखिर पहाड़ी इलाकों में ही बादल क्यों फटते हैं? इस पर राधेश्याम शर्मा कहते हैं कि मानसूनी बादलों की हाइट कम होती है। मैदानी इलाकों में तो कोई दिक्कत नहीं होती, मगर पहाड़ों में पानी से भरे बादल ट्रेप हो जाते हैं। इसका मतलब यह है कि मानसूनी बादल पहाड़ों से टकराकर एक ही जगह रुक जाते हैं और आगे नहीं बढ़ पाते। इसलिए अचानक से बादल फटने की घटनाएं हो जाती हैं।

उत्तरकाशी के धराली गांव में कैसे फटा बादल?

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से आई भयंकर बाढ़ आई और बड़ी तबाही दिखी। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पहाड़ों में अचानक बादल फट गया और ढलान की ओर पानी का सैलाब इतनी तेजी से आया कि घरों व होटलों में मौजूद लोगों को बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों पर जाने का मौका ही नहीं मिला। इस तबाही में न केवल दर्जनों घर पलभर मलबे के ढेर में तब्दील हो गए बल्कि बड़ी संख्या में लोग भी मारे जाने की आशंका है।

उत्तरकाशी में बादल फटनाः चार की मौत, 50 लापता

मीडिया से बातचीत में उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्य ने बताया कि बादल फटने की घटना में अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। 50 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बचाव व राहत कार्य शुरू करवा दिए गए हैं। उधर, उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि 'धराली (उत्तरकाशी) क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का समाचार अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। राहत एवं बचाव कार्यों के लिए रऊफ्क्र ठऊफ्क्र जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं।'

हर विधानसभा में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी, योजना के लिए 94 करोड़ की मंजूरी

(जीएनएस)।

बिहार सरकार छात्रों के लिए शैक्षिक पहुंच में सुधार के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र स्थापित कर रही है। इस पहल में धन और बुनियादी ढांचे का समर्थन शामिल है।

राज्य सरकार बच्चों को डिजिटल तरीके से शिक्षा देने पर अब खासतौर से फोकस करने पर जोर दे रही है। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए छात्रों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन की सुविधा प्रदान कराई जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री डिजिटल लाइब्रेरी योजना (एमएमडीएलवाय) का क्रियान्वयन किया जाना है। कैबिनेट से इसके प्रस्ताव पर मंजूरी देते हुए 94 करोड़ 50 लाख 47 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके संचालन के लिए सुपरवाइजर और तकनीकी इनचार्ज की व्यवस्था की जाएगी।

प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र में होगी यह सुविधाः- प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र में 10 कंप्यूटर टर्मिनल लगाए जाएंगे। इसके अलावा विद्युत और हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी लगाई जाएगी। 10 कंप्यूटर को लगाने के लिए कम से कम 300 वर्गफूट का क्षेत्र की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय परिसर, नगर परिषद भवन, विकासन भवन, कम्यूनिटी लाइब्रेरी के अलावा जिन सरकारी स्कूल या कॉलेज परिसर में अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हो, तो इसे स्थापित करने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र की स्थापना पटना जिला में किया जाएगा। इस केंद्र में 60 कंप्यूटर एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्रीय मॉडल लाइब्रेरी केंद्र में 50 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की

जाएगी।

भागलपुर के पीरपैंती में बनने वाले सौर ऊर्जा प्लांट के स्थान पर अब ताप विद्युत परियोजना की स्थापना की जाएगी। बिहार राज्य पॉवर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड को लीज पर उपलब्ध कराई गई भूमि को टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली की प्रक्रिया से न्यूनतम निविदादाता को निबंधन एवं मुद्रांक शुल्क की अदायगी पर इसे दिया जाएगा। लीज की समान शर्तों यानी 1 रुपये प्रतिवर्ष के सांकेतिक दर पर 33 वर्षों या बिजली आपूर्ति एकरारनामा अवधि (जो न्यूनतम होगी) की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। यहां 800 मेगावाट क्षमता की 3 यूनिटें स्थापित की जाएगी।

बस संचालकों को दिया जाएगा अनुदान

देश के दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों से दुर्गा पूजा, छठ समेत ऐसे अन्य पर्व-त्योहार के मौकों पर आने वाले लोगों को सुविधा देने के लिए पीपीपी मोड पर अंतरराज्यीय बस परिवहन कराया जाएगा। इसके तहत निजी बस ऑपरेटरों को पीक सीजन में प्रति सीट 150 रुपये और ऑफ सीजन में 300 रुपये प्रति सीट प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम और निजी बस ऑपरेटरों से बस परिचालन के लिए 5 वर्ष के लिए एकरारनामा किया जाएगा। पांच वर्षों के लिए इन्हें 35 करोड़ 64 लाख रुपये एवं योजना के सुचारू रूप से संचालन के लिए आकस्मिकता मद में योजना लागत 2 प्रतिशत अर्थात 71 लाख 28 हजार रुपये समेत 36 करोड़ 35 लाख 28 हजार रुपये व्यय किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7 करोड़ 27 लाख 6 हजार रुपये का व्यय बिहार आकस्मिक निधि से किया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के लिए कई स्थान पर जमीन अधिग्रहण

विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार देने के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके तहत नालंदा के हरनौत एवं चंडी अंचल में संयुक्त रूप से 524.95 एकड़ जमीन, मुजफ्फरपुर के पारू, भोजपट्टी, हरपुर, विशुनपुर सरैया में कुल रकवा 700 एकड़ जमीन, सुपौल के सरायगढ़-भपटीयाही के सरायगढ़ मौजा एवं पिपरा के विशुनपुर मौजा के लिए 498.06 एकड़ जमीन, कटिहार के मनसाही अंचल में 252 एकड़ जमीन और औरंगाबाद के कुटुंबा अंचल के विभिन्न मौजा में 441 एकड़ जमीन का अधिग्रण किया जाएगा। ये सभी जमीन का अधिग्रहण आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार के स्तर से किया जाएगा।

कैबिनेट में लिए गए अन्य महत्वपूर्ण फैसलेः-

इस वर्ष विधानसभा चुनाव में राज्यभर में मौजूद 90 हजार 712 मतदाना केंद्रों पर प्रति मतदान केंद्र दो कैमरा स्थापित करने, वेबकास्टिंग करने समेत अन्य कार्यों के लिए 154 करोड़ 30 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

राज्य की नगरपालिका क्षेत्रों में नए पेट्रोल पंप एवं सीएनजी स्टेशनों के निर्माण के लिए अब न्यूनतम भूखंड का आकार 20 मीटर लंबाई और 20 मीटर चौड़ाई की जरूरत है।

बिहार परिवहन क्षेत्रीय आशुलिपिक संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवाशर्त) नियमावली-2025 को स्वीकृत किया गया है। इसके तहत क्षेत्रीय आशुलिपिक संवर्ग के पदों पर नियुक्ति एवं प्रोन्नति की कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक जन वितरण प्रणाली की दुकानों के लिए अब प्रत्येक सोमवार के अलावा 26 जनवरी, 15 अगस्त एवं 2 अक्टूबर के साथ-साथ छठ पूजा, दुगार्पूजा (नवमी एवं दशमी) और ईद के अवसर पर छुट्टी रहेगी।

जमुई जिला में मैग्नेटाइट (लौह अयस्क) के मजोस एवं भंटा ब्लॉक की ई-नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य की स्वीकृति दी गई है।

बिग बॉस का सपना दिखाकर भोपाल में 10 लाख की ठगी, फिल्मी अंदाज में जालसाजों ने बुना जाल!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक सनसनीखेज ठगी का मामला सामने आया है, जो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। टीवी के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' में बैकडोर एंट्री का लालच देकर एक मशहूर डॉक्टर से 10 लाख रुपये ठग लिए गए। यह घटना चूनाभट्टी थाना क्षेत्र की है, और पुलिस अब इस मामले की गहन जांच में जुटी है।

जालसाजों ने फिल्मी स्टाइल में अपने शिकार को फंसाया और कई किश्तों में पैसे ऐंठे। आइए, जानते हैं इस ठगी की पूरी कहानी।

सपनों का झांसाः बिग बॉस में एंट्री का लालच

भोपाल के जाने-माने डमेटीलॉजिस्ट और पॉइजन स्किन क्लिनिक के संचालक डॉ. अभिनीत गुप्ता को 3 अक्टूबर 2022 से 5 जुलाई 2023 के बीच ठगी का शिकार बनाया गया। पुलिस के अनुसार, इस दौरान उनकी मुलाकात करण सिंह नाम के एक शख्स से हुई, जिसने खुद को इवेंट डायरेक्टर बताते हुए दावा किया कि उसके बड़े प्रोडक्शन हाउसेज से गहरे रिश्ते हैं। करण ने डॉ. गुप्ता को भरोसा दिलाया कि वह उन्हें बिग बॉस जैसे हाई-प्रोफाइल रियलिटी शो में बैकडोर एंट्री दिला सकता है।

डॉ. गुप्ता, जो टीवी की चकाचौंध और बिग बॉस की लोकप्रियता से प्रभावित थे, इस लालच में आ गए। करण सिंह ने उनसे कास्टिंग टीम से मीटिंग, ऑडिशन की तैयारी और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर कई किश्तों में 10 लाख रुपये वसूल लिए। लेकिन जब बिग बॉस की आधिकारिक कंटेस्टेंट लिस्ट जारी हुई और डॉ. गुप्ता का नाम उसमें नहीं था, तो उन्हें ठगी का शक हुआ।

फिल्मी अंदाज में ठगीः जालसाजों की चालाकी

करण सिंह ने डॉ. गुप्ता को भरोसा दिलाने के लिए एक के बाद एक झूठ

का जाल बुना। पहले तो उन्होंने दावा किया कि उनकी एंट्री "बैकडोर प्रोसेस" के जरिए होगी, लेकिन जब यह भी नहीं हुआ, तो डॉ. गुप्ता ने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए। इसके बाद करण ने फोन कॉल्स उठाने बंद कर दिए और अंततः अपना फोन स्विच ऑफ कर लिया। इस ठगी की स्क्रिप्ट इतनी चालाकी से लिखी गई थी कि पीड़ित को लंबे समय तक भनक भी नहीं लगी।

जब डॉ. गुप्ता को ठगी का एहसास हुआ, तो उन्होंने चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत करण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। जांच में पता चला कि जालसाज ने डॉ. गुप्ता को कई बार कास्टिंग डायरेक्टर्स और प्रोडक्शन हाउस के कथित प्रतिनिधियों से बातचीत का भरोसा दिलाया, जो सब फर्जी थे।

पुलिस की कार्रवाईः जालसाज की तलाश तेज

चूनाभट्टी पुलिस इस मामले की गहन जांच में जुटी है। पुलिस को संदेह है कि करण सिंह अकेले नहीं, बल्कि एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का हिस्सा हो सकता है। जांच में यह भी सामने आया है कि जालसाज ने पीड़ित से कई किश्तों में पैसे लिए, जिसके लिए अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। पुलिस अब इन खातों की डिटेल्स और मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स की जांच कर रही है ताकि जालसाज तक पहुंचा जा सके।

पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि इस तरह की ठगी के मामले भोपाल में बढ़ रहे हैं, जहां लोग टीवी और मनोरंजन जगत की चमक-दमक के लालच में आसानी से फंस जाते हैं। साइबर क्राइम ब्रांच को इस मामले में तकनीकी सहायता के लिए शामिल किया गया है, और जल्द ही जालसाजों तक पहुंचने की उम्मीद है।

भोपाल में साइबर ठगी का बढ़ता खतरा

यह घटना भोपाल में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों का एक और उदाहरण है। हाल के वर्षों में, साइबर ठग लोगों को तरह-तरह के लालच देकर ठग रहे हैं। चाहे वह ऑनलाइन जॉब का झांसा हो, डिजिटल अरेस्ट का डर हो, या फिर रियलिटी शो में एंट्री का सपना। 2021 से 2025 तक मध्य प्रदेश में 1054 करोड़ रुपये की साइबर ठगी हुई, जिसमें से केवल 1.94 करोड़ रुपये ही रिकवर हो पाए। यह आंकड़ा पुलिस की साइबर विंग की कमजोरी को उजागर करता है।

लोगों को सावधान रहने की जरूरत

इस घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि साइबर ठग कितने शातिर हो सकते हैं। वे न केवल पीड़ितों की कमजोरियों को भांप लेते हैं, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं का भी फायदा उठाते हैं। पुलिस ने लोगों

कौन हैं सीएम धामी के ये 4 ट्रस्टेड आईएएस, जो धराली के 'क्राइसिस कमांडर'!

(जीएनएस)।

5 अगस्त 2025 को उत्तरकाशी का धराली गांव प्रकृति के प्रकोप का शिकार बन गया। दोपहर 1:45 बजे खीर गंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटने से बाढ़ और भूस्खलन ने गांव को मलबे के ढेर में बदल दिया। कम से कम 4 लोगों की मौत, 50 से अधिक लापता, और होटल-होमस्टे तबाह-यह त्रासदी उत्तराखंड के इतिहास में एक और काला अध्याय जोड़ गई।

इस संकट में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने चार भरोसेमंद IAS अधिकारियों को मोर्चे पर उतारा है। ये 'क्राइसिस कमांडर' धराली की तबाही को संभालने के लिए दिन-रात जुट गए हैं। आइए जानते हैं, कौन हैं ये चार सुपर क्अर और कैसे बदल रहे हैं हालात?...

2017 बैच के IAS प्रशांत कुमार आर्य 20 जून 2025 को उत्तरकाशी के 25वें जिलाधिकारी बने। महज 46 दिन में उन्हें दो बड़े हादसों-बलिगढ़ (29 जून) और धराली (5 अगस्त)-से निपटना पड़ा। उनकी त्वरित कार्रवाई और पारदर्शी कार्यशैली ने उन्हें CM धामी का भरोसेमंद बनाया।

प्रोफाइल और अनुभवः

पिछले पदः पौड़ी गढ़वाल में उऊड, देहरादून में जिला पंचायत सचिव, महिला एवं बाल विकास निदेशक, आबकारी आयुक्त (27 फरवरी 2024 से), और गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रबंध निदेशक।

कार्यशैलीः जनता से सीधा संवाद, कड़क प्रशासन, और योजनाओं में पारदर्शिता। वे आपदा प्रबंधन और चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन के लिए जाने जाते हैं।

धराली में योगदानः प्रशांत आर्य ने तुरंत सेना, NDRF, SDRF, और क्ळइढ को मोर्चे पर उतारा। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर (01374-222126, 01374-222722, 9456556431) जारी किए और ड्रोन सर्विलांस शुरू करवाया। उनकी अगुवाई में 20 लोग बचाए गए, और घायलों को हर्षिल के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया।

2015 बैच के उत्तराखंड कैडर के IAS अभिषेक रूहेला वर्तमान में अपर सचिव (कौशल विकास एवं सेवा योजना) हैं। 5 मई 1988 को जन्मे, 37 वर्षीय रूहेला ने IIT रुड़की से सिविल इंजीनियरिंग में B.Tech किया और UPSC 2015 में 327वीं रैंक हासिल की। उनका तकनीकी बैकग्राउंड और प्रशासनिक कुशलता उन्हें आपदा प्रबंधन के लिए आदर्श बनाती है।

प्रोफाइल और अनुभवः

पिछले पदः सहायक सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण), सिटी मजिस्ट्रेट, अपर सचिव (पर्यटन, स्कूल शिक्षा), टिहरी में CDO, और उत्तराखंड परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक।

कार्यशैलीः तकनीकी दृष्टिकोण और ग्रामीण विकास पर फोकस। वे बुनियादी ढांचे और जल प्रबंधन में विशेषज्ञता रखते हैं।

धराली में योगदानः CM धामी ने अभिषेक को उत्तरकाशी भेजा ताकि राहत कार्यों में तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ मिले। वे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों की मॉनिटरिंग और पुनर्वास योजनाओं पर काम कर रहे हैं।

2016 बैच के क्अर मेहरबान सिंह बिष्ट उत्तरकाशी के पूर्व DM रह चुके हैं और वर्तमान में अपर सचिव (ऊर्जा एवं सहकारिता) और उरेडा के निदेशक हैं। उनकी स्थानीय अनुभव और आपदा प्रबंधन की समझ ने उन्हें धराली संकट के लिए CM धामी की पहली पसंद बनाया।

प्रोफाइल और अनुभवः

पिछले पदः उत्तरकाशी DM के रूप में कार्य, जहां उन्होंने चारधाम यात्रा प्रबंधन और आपदा राहत में अहम भूमिका निभाई।

कार्यशैलीः स्थानीय समुदायों के साथ तालमेल और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता।

धराली में योगदानः बिष्ट को धराली में राहत कार्यों के समन्वय और स्थानीय प्रशासन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। वे सेना और NDRF के साथ मिलकर बचाव कार्यों को गति दे रहे हैं।

बारिश बनी आफतः 7 लोग मलबे में दबे, ग्रामीणों और पुलिस ने किया रेस्क्यू

(जीएनएस)।

बिजनौर।

जिले में तीन दिन से हो रही मूसलधार बारिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। सड़कों से लेकर घरों तक जलभराव और जर्जर मकानों की दीवारें गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में सोमवार की देर रात एक बड़ा हादसा उस वक्त हो गया जब थाना क्षेत्र नजीबाबाद के गांव अलावलपुर में एक मकान का लेंटर गिर गया। हादसे के समय घर के अंदर सो रहा एक ही परिवार मलबे में दब गया।

गांव के निवासी दिनेश सिंह के मकान का लेंटर अचानक तेज आवाज के साथ भरभराकर गिर पड़ा। घर के अंदर दिनेश, उनकी पत्नी और पांच बच्चे सो रहे थे। हादसे के दौरान मची चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े और फौरन राहत कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने बुलडोजर और ग्रामीणों की मदद से लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद मलबे में दबे सभी सात लोगों को बाहर निकाला। इनमें शिव (10), वंशिका (12), रानी (15), प्रीति (20), मोनू और दिनेश (50) शामिल हैं। सभी को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो की हालत गंभीर बताई और उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

दिनेश सिंह पेशे से मजदूर हैं और उन्होंने यह मकान लगभग दस वर्ष पहले बनवाया था। बताया गया कि लगभग 200 गज में फैले मकान में ही पूरा परिवार निवास करता है। लगातार बारिश के कारण दीवारों और छत में नमी भर गई थी, जिससे लेंटर अचानक गिर गया।

घटना की जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने राहत कार्यों में तेजी लाते हुए बचाव दलों को सक्रिय किया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आईपीएस आसना बनीं सीओ सिटी : छाता और मांट के भी सीओ बदले

मथुरा (जीएनएस)। एसएसपी श्लोक कुमार ने सीओ सिटी समेत चार सीओ के कार्यक्षेत्र में बदलाव किए हैं। जानकारी के एसएसपी श्लोक कुमार ने आईपीएस अधिकारी सुश्री आसना चौधरी को सीओ सिटी का कार्यभार देने के साथ ही पुलिस लाइंस का भी प्रभारी बनाया है। इसीक्रम में सीओ

सिटी रहे भूषण वर्मा को सीओ छाता और सीओ छाता के आशीष शर्मा को सीओ मांट नियुक्त किया गया है। इसी के साथ सीओ गुंजन सिंह को मांट सर्किल से हटाकर सीओ साइबर क्राइम और महिला थाना का कार्यभार सौंपा गया है।

जन्माष्टमी से पहले सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित कर रहे नगर आयुक्त : गंदगी मिलने पर फर्म को नोटिस और जोनल सफाई निरीक्षक से मांगा स्पष्टीकरण

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व समीप आने पर बेहतर साफ-सफाई के लिए नगर निगम प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। जानकारी के अनुसार श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर्व निकट आने पर नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा सभी मुख्य मार्ग और स्थलों का निरंतर निरीक्षण करते हुए मिली कमियों को दूर किए जाने के लिए निर्देश दिए जा रहे हैं। इसीक्रम में मंगलवार को नगर आयुक्त जग प्रवेश ने प्रेम मंदिर से लेकर छटीकरा चौराहा तक मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त को मार्ग पर गंदगी मिली। गंदगी को देखकर नगर आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई कार्य कर रही संस्था को नोटिस जारी किए जाने और जोनल सफाई निरीक्षक का स्पष्टीकरण जारी किए जाने के निर्देश दिए हैं। नगर आयुक्त द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए कि निरीक्षण के दौरान यदि गंदगी पायी गई तो संबंधित फर्म, क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक और जोनल सैनेटरी ऑफिसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर प्रकरण : सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार के अध्यादेश पर अब पुनः सुनवाई होगी शुक्रवार को

मथुरा / नई दिल्ली। (मुकेश कुशवाह) श्री बांकेबिहारी मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा दायर याचिका पर एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई शुरू हुई। याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2025 में जारी किए गए उस अध्यादेश को चुनौती दी गई, जिसके अंतर्गत प्रदेश सरकार ने वृंदावन स्थित श्री बांकेबिहारी मंदिर के प्रबंधन का अधिकार अपने हाथ में ले लिया है। इसके अतिरिक्त याचिकाकताओं ने सुप्रीम कोर्ट के 15 मई 2025 के उस आदेश को वापस लेने की भी मांग की है, जिसमें सरकार को मंदिर की आय से कॉरिडोर निर्माण के लिए धन का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

यह मामला मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची के समक्ष सूचीबद्ध था।

भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार की सख्ती, सतर्कता सम्मान समारोह में जागरूक नागरिकों और अधिकारियों को किया गया सम्मानित

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शून्य सहनशीलता नीति के परिणामस्वरूप भारत में भ्रष्ट अधिकारियों के लिए रिकॉर्ड संख्या में सजाएं मिलीं। सतर्कता ब्यूरो ने 2025 के सिर्फ सात महीनों में 16 अधिकारियों पर सफलतापूर्वक मुकदमा चलाया। भ्रष्टाचार के खिलाफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जीरो टॉलरेंस की नीति ने भ्रष्ट लोक लोकसेवकों के बीच खलबली मचा दी है. निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक जितेन्द्र सिंह गंगवार ने मंगलवार को भ्रष्ट लोकसेवकों को अदालत से सजा दिलाने वाले ब्यूरो के पदाधिकारियों, लोक अभियोजकों के साथ-साथ उन शिकायतकताओं को भी सम्मानित किया, जिनकी सूचना पर निगरानी द्वारा कार्रवाई की गई थी. निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के सभागार में मंगलवार को द्वितीय सतर्कता सम्मान समारोह सह

कार्यशाला का आयोजन किया गया था.

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक जितेन्द्र सिंह गंगवार ने कहा कि मौजूदा वर्ष 2025 के पहले ही सात महीनों में कुल 16 भ्रष्ट लोकसेवकों को अदालत द्वारा अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई है, जो एक रिकॉर्ड है. इस साल जनवरी से जून माह के बीच कुल 12 भ्रष्ट लोकसेवकों को सजा दिलाई गई है. जबकि अभी साल को खत्म होने में पांच महीने का समय शेष है. श्री गंगवार ने कहा कि यह तभी संभव हो सका है जब भ्रष्ट लोकसेवकों को रंगे हाथों गिरफ्तार करने वाले निगरानी के अधिकारियों ने परिवादी और लोक अभियोजक की टीम के साथ समन्वय बिठाकर काम किया गया. उन्होंने कहा कि कुछ सालों के आंकड़ों की तुलना में इस साल के शुरूआती छह महीने में ही ब्यूरो ने 45 लोकसेवकों रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया है. जबकि वर्ष 2024 में मात्र आठ मामलों में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया था.

इस मौके पर सम्मानित होने वाले परिवादी आफताब आलम और परमानन्द कुमार भी मौजूद थे. जिनके जज्बे और कर्मठता की खुद श्री गंगवार ने प्रशंसा की. इस मौके पर ब्यूरो की पुलिस महानिरीक्षक गरिमा मल्लिक, डीआईजी नवीन कुमार झा और मृत्युंजय कुमार चौधरी समेत अधिकारी मौजूद थे. भ्रष्ट लोकसेवकों के खिलाफ सूचना देने वाले परिवादियों, भ्रष्ट लोकसेवक को घूस की रकम के साथ दबोचने वाले निगरानी के अधिकारियों, केस के अनुसंधानकताओं, सत्यापनकताओं, धावादल के सदस्यों और भ्रष्ट लोकसेवकों के खिलाफ निगरानी में शिकायत दर्ज कराने वाले परिवादियों को निगरानी ब्यूरो के सभागार में सम्मानित किया गया. सम्मान पाने वाले परिवादियों में कैमूर से आफताब आलम और नालंदा से परमानन्द कुमार को हरित पौधे के गमले और प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया गया.

श्री गंगवार ने कहा कि निगरानी से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों को कोर्ट में गवाही देने के लिए अब दो दिनों का दैनिक भत्ता और यात्रा भत्ता देय होगा. उन्होंने कहा कि हम केवल उन कांडों की ही समीक्षा नहीं कर रहे हैं बल्कि उन कांडों का भी अध्ययन कर रहे हैं जिसमें अभियुक्त को कोर्ट से बरी कर दिया गया है. यह हमारी कमियों को जानने और समझने के लिए जरुरी है.

एसजीएम स्कूल, जयसिंहपुरा में कल लगेगा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, मथुरा द्वारा आयोजित होगा शिविर

मथुरा (जीएनएस)। अंधता निवारण के क्षेत्र में समर्पित सामाजिक संस्था कल्याणं करोति नेत्र संस्थान गोवर्धन रोड़, द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन कल (गुरुवार) को किया जाएगा। नेत्र शिविर सुबह 9 बजे से अपराह्न 3 बजे तक, एसजीएम स्कूल, पुष्पबिहार कॉलोनी, जयसिंहपुरा, मथुरा में आयोजित किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नेत्र रोगियों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविर में वातानुकूलित, अत्याधुनिक नेत्र सचल चिकित्सा वाहन के माध्यम से अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों की टीम द्वारा नेत्र परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा। इस दौरान मोतियाबिंद, नाखूना, परवल और कालापानी आदि नेत्र रोगों की जांच की जाएगी। इसी के साथ आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क चश्मे, दवा तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता वाले रोगियों को कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, गोवर्धन रोड़, मथुरा में भर्ती करके उपचार प्रदान किया जाएगा। नेत्र रोगी ऑपरेशन के पंजीकरण के लिए अपना पहचान पत्र और मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य है। इसका लाभ आयुष्मान कार्ड धारक रोगी भी ले सकते हैं।

सोने-चांदी और नकदी पर चोरों का हाथ साफ, रात के सन्नाटे में बड़ी वारदात

(जीएनएस)।

बिजनौर।

चांदपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम जमालुद्दीनपुर में सोमवार देर रात चोरों ने एक बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दे डाला। चोर मकान से लगभग पांच तोले सोना, चांदी के आभूषण, करीब 20 हजार रुपये नकद, कीमती वस्त्र और अन्य सामान ले उड़े। अनुमानित नुकसान करीब 8 लाख रुपये बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, यह मकान गजराज सिंह का है, जो अपने भाई राजबहादुर के साथ रहते हैं। सोमवार रात करीब 12 बजे गजराज सिंह की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि घर के एक कमरे की खिड़की और दरवाजा

खुला हुआ है। शक होने पर जब वे अंदर पहुंचे तो अलमारी और अन्य सामान पूरी तरह से बिखरा हुआ था। चोरी की सूचना उन्होंने तुरंत डायल 112 पर दी।

सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम के साथ सीता मठ पुलिस चौकी जलीलपुर से पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की।

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व इसी गांव में इशू पुत्र सुरेंद्र सिंह के घर भी चोरी की वारदात हुई थी। ऐसे में गांव में यह दूसरी बड़ी चोरी की घटना है, जिससे क्षेत्रवासियों में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है।

ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की है। लगातार हो रही चोरी की वारदातें पुलिस की सक्रियता पर सवाल उठा रही हैं।

वियतनाम के हनोई में उत्तर प्रदेश सरकार और वियतनाम सरकार ने ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष उपमन्यु को किया सम्मानित

अमर उजाला के कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार और हनोई सरकार रही सहयोगी आयोजन

मथुरा (जीएनएस)। एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष पत्रकार डा. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट को प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला एवं सहयोगी उत्तर प्रदेश सरकार तथा वियतनाम सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार समारोह में श्री उपमन्यु के अतिरिक्त भारत की विभिन्न क्षेत्रों की अन्य हस्तियों को वियतनाम के शहर हनोई में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश

देश के प्रमुख हिंदी दैनिक अमर उजाला एवं उत्तर प्रदेश सरकार और वियतनाम सरकार द्वारा ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट को वियतनाम की राजधानी हनोई में सोशल कार्यों के लिए सम्मानित करते हुए।

सरकार और वियतनाम सरकार का भी विशेष योगदान रहा। समारोह में वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्रशासन के उपमहानिदेश हा वॉन सियू, अमर उजाला समाचार समूह के उपाध्यक्ष सचिन नारंग, और आसियान भारत आर्थिक परिषद वियतनाम शाखा के अध्यक्ष इंद्रोनिल सेन आदि ने भारत देश के विभिन्न क्षेत्रों से आयीं प्रमुख हस्तियों को भव्य समारोह में सम्मानित किया। वियतनाम की राजधानी हनोई के फाइव स्टार होटल नोवोटिल में आयोजित इस समारोह के समापन में अमर उजाला वेस्टर्न जोन के प्रमुख सौरभ भदौरिया द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। समारोह का संचालन उत्तराखंड के ऋषिकेश निवासी प्रसिद्ध एंकर सुश्री एकता तिवारी द्वारा किया गया। समारोह का आयोजन सिराज टूर द्वारा किया गया।

नगर निगम के मंगल दिवस में आयीं 23 शिकायत : अफसरों ने तय समयावधि में समाधान करने के दिए निर्देश

मथुरा (जीएनएस)। प्रदेश के नगरी विकास मंत्री अरविंद शर्मा के निर्देश पर जन शिकायतों पर प्रभावी तरीके से कार्रवाई किए जाने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शुरू किए गए "संभव" संतुष्टि एवं समृद्धि" मंगल दिवस में जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए नगर आयुक्त ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को सुबह 10 से भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह द्वारा और वृंदावन जोनल कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक द्वारा तथा जनरलगंज स्थित नगर निगम मथुरा-वृंदावन कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायतकताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को

कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान सिटी जोन में 5 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 2 स्वास्थ्य विभाग, 1 स्ट्रीट लाइट से संबंधित और संबंधित 2 निर्माण विभाग से संबंधित आयीं। भूतेश्वर जोन में कुल 10 प्राप्त हुईं जिनमें से 2 अतिक्रमण से संबंधित , स्ट्रीट लाइट, कर से संबंधित 4, सफाई से संबंधित 1, टैक्स संशोधन से संबंधित 1, जलभराव संबंधित 1 एवं पानी कनैक्शन से संबंधित 1 शिकायत प्राप्त हुई। इसीक्रम में वृंदावन जोन में कुल 8 शिकायत प्राप्त हुईं, जिनमें से 7 निर्माण से संबंधित और 1 जलकल से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुईं। जनसुनवाई में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त हुईं शिकायत का निस्तारण निर्धारित समयावधि के अंदर किया जाए। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र कुमार मुख्य, अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम और मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेश चंद्र आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी के आदेश पर नगर आयुक्त ने किया हजारीमल सोमानी इंटर कॉलेज का निरीक्षण

मथुरा (जीएनएस)। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनपद के सभी सरकारी स्कूलों का अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। इसीक्रम में मंगलवार को नगर आयुक्त जग प्रवेश ने वृंदावन स्थित हजारीमल सोमानी इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन के विभिन्न भागों की बारीकी से जांच की गई, जिसमें संपूर्ण बिल्डिंग की स्थिति, विद्यार्थियों के लिए शौचालयों की व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता और संपूर्ण स्कूल परिसर की स्वच्छता शामिल रही। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने निरीक्षण के दौरान भवन की संरचनात्मक स्थिति

का गहनता से अवलोकन किया, जिससे कि विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विद्यालय से संबंधित जो भी विकासात्मक या मरम्मत कार्य हों, उनका प्रस्ताव तैयार करके नगर निगम को प्रस्तुत करें, ताकि समय से कार्य कराया जा सके। विद्यालय निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त जग प्रवेश ने वृंदावन क्षेत्र में फूड कोर्ट की स्थापना के लिए भी निरीक्षण किया। प्रस्तावित फूड कोर्ट का उद्देश्य स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं स्वास्थ्यवर्धक खानपान की सुविधा प्रदान करना है। यह पहल न केवल जनसुविधा को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय रोजगार सृजन में भी सहायक सिद्ध होगी।

सलमान सीतापुरी ने बज्मे उर्दू के सदर मस्त हफीज रहमानी को किया सम्मानित

(जीएनएस)।

जनपद सीतापुर।

के मिर्दही टोला में बज्मे उर्दू के द्वारा मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति पदक से सम्मानित मस्त हफीज रहमानी साहब ने की, जिन्हें समाजसेवी शायर सलमान सीतापुरी साहब ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुशायरे का संचालन डॉ. तनवीर इकबाल बिस्वानी साहब ने किया। कार्यक्रम में खुश्तर रहमानी साहब, डॉ० एखलाक हरगामी साहब , इलियास चिश्ती साहब, यासीन इब्ने उमर साहब , नूर खैराबादी साहब , रिजवान खान साहब , बशर हरगामी साहब , जफर

सीतापुरी साहब , रियाज सीतापुरी साहब , सहित सभी शायरों ने अपना अपना कलाम पेश किया। इसके अलावा कार्यक्रम में अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सीतापुर में उर्दू भाषा और साहित्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अक्सर ऐसे मुशायरे और सेमिनार बज्मे उर्दू द्वारा आयोजित किए जाते हैं। इससे उर्दू के प्रति लोगों की रुचि बढ़ती है और इसकी समृद्धि में योगदान होता है। सीतापुर को उर्दू पत्रकारिता शुरू करने का गौरव भी हासिल है।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 हेतु मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। मंगलवार के दिन निदेशक द्वारा पंचायती राज उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 हेतु मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में के०के० सिंह संयुक्त विकास आयुक्त, लखनऊ मण्डल बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। लखनऊ मण्डल के समस्त जिला पंचायत राज अधिकारी, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी (प्राविधिक), खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), जिला कन्सलटेंट, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), खण्ड प्रेरक एवं जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। राज्य सलाहकार ओम मणि त्रिपाठी एवं माहिम कुमार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2025 के विभिन्न घटकों की जानकारी को साझा किया गया। अपने सम्बोधन में निदेशक द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण अन्तर्गत सिटीजन फीडबैक में बेहतर सहभागिता हेतु में सभी जनपदों की सराहना की गई, इसके साथ ही उपस्थित सभी प्रतिभागियों से ओ०डी०एफ० के स्थायित्व एवं ठोस, तरल अपशिष्ट प्रबन्धन अन्तर्गत सृजित परिसम्पत्तियों के संचालन एवं क्रियाशीलता के सम्बन्ध में निर्देशित भी किया गया। निदेशक द्वारा हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने हेतु निर्देश दिए गये। शाश्वत आनन्द सिंह, उपनिदेशक (पंचायत) लखनऊ मण्डल के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान एवं प्रिट योजनान्तर्गत समस्त प्रशिक्षणों में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों का त्रुटि रहित आधार अथेंटिकेशन टी०एम०पी० पोर्टल पर कराने हेतु तकनीकी रूप से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।